महाविद्यालय कोड – 3208

भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय महाविद्यालय,

टिमरनी जिला-हरदा (म.प्र.)

नैक द्वारा B+ ग्रेड प्रदत्त

www.gdctimarni.in

विद्या ददाति विनयं

एक दिवसीय – राष्ट्रीय वेबिनार

भारतीय ज्ञान परंपरा : विविध आयाम

दिनांक – 14 अक्टूबर 2025

समय – दोपहर 12 बजे से...

प्रायोजक

उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

आयोजक

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ

भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय महाविद्यालय, टिमरनी

महाविद्यालय परिचय

भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1983 में हुई। यह महाविद्यालय प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण नर्मदा नदी की गोद में, सतपुड़ा की श्रृंखलाओं के निकट स्थित है। कृषि क्षेत्र से पूर्ण यह अंचल हरदा जिले मे स्थित है और इसके मध्य से गंजाल नदी प्रवाहित होती है। महाविद्यालय का भौगोलिक एवं सांस्कृतिक परिवेश अत्यंत समृद्ध है। आसपास के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में गोमुख मठ-भादूगाँव, मुर्गी घाटी-रहटगाँव, कान्हा बाबा की समाधि-सोडलपुर, गोराखाल जलप्रपात इस क्षेत्र की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्ता को प्रदर्शित करते हैं।

शैक्षणिक दृष्टि से यह महाविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। यहां तीन परंपरागत स्नातक पाठ्यक्रम संचालित हैं, साथ ही 9 स्ववित्तीय पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं, इनमें से 5 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में लगभग 2100 विद्यार्थी महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) की इकाइयाँ सक्रिय हैं। साथ ही, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों को समय-समय पर उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय, न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन का भी सशक्त माध्यम है।

संरक्षक

डॉ. जे.के.जैन, प्राचार्य

भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय महाविद्यालय, टिमरनी

सलाहकार मंडल

डॉ. मथुरा प्रसाद, आयुक्त, नर्मदापुरम, मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग

डॉ. कामिनी जैन, प्राचार्य, शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय, नर्मदापुरम

डॉ. संगीता बिले, प्राचार्य, पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, हरदा

डॉ. धीरा शाह, प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सिराली

डॉ. आर.के. पाटिल, पूर्व प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, टिमरनी

आयोजन समिति

डॉ. अरुण कुमार सिकरवार, प्राध्यापक रसायन शास्त्र विभाग

डॉ. संजय कुमार पटवा, अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. सुनील बौरासी, वनस्पति शास्त्र विभाग

डॉ. संजीत कुमार सोनी, हिंदी विभाग

श्री पंकज राव रहाणे, हिंदी विभाग

श्रीमती मुग्धा गद्रे, अंग्रेजी विभाग

संयोजक

सुश्री मीनाक्षी यादव,,सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी

मो. 9407558819

आयोजन सचिव

डॉ. सुनीत काशिव, राजनीति विज्ञान विभाग

मो. 9340233413

तकनीकी समिति

डॉ.पंकज खैरनार

डॉ.दीपक मालाकार

डॉ.अभिषेक अग्रवाल

डॉ.ज्योति काशिव

विशेषज्ञ वक्ता

प्रथम वक्ता

डॉ. चंद्रशेखर गोस्वामी

सेवानिवृत्ति प्राध्यापक, रसायन

शास्त्र, लेखक एवं कथा प्रवक्ता भोपाल, मध्यप्रदेश

द्वितीय वक्ता

श्री मुकेश कुमार

सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी

शासकीय महाविद्यालय शाहजहांपुर कैंट, उत्तर प्रदेश

तृतीय वक्ता

श्रीमती हंसा संजय बागरे

सहायक प्राध्यापक एजुकेशन

सोसाइटी एसएनडी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय

येवला, जिला नासिक, महाराष्ट्र

कार्यक्रम संचालन समिति

डॉ.बेबी चावला	डॉ.श्रीकांत गंगवार
डॉ. पवन नामदेव	डॉ.शैलेंद्र कटारे
डॉ. प्रियंका उपाध्याय	डॉ. नितेश कनाठे
डॉ. नरेन्द्र नागले	श्री कांता प्रसाद नागरे
डॉ. दुर्गेश नंदनी अग्रवाल	डॉ.मनीषा राजपूत
श्री विजेंद्र गुर्जर	श्री अभिषेक नागपुरे
डॉ. प्रियंका चंदेल	श्रीमती नीता गौर
श्री जयदीप पस्टारिया	सुश्री ललिता नागर
श्रीमती शीला खले	श्री करण रामटेक

उपविषय

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा और उच्च शिक्षा
2. आधुनिक विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान दर्शन का एकीकरण
3. पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान की भूमिका
4. उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा और वैश्विक संदर्भ
5. ज्ञान परंपरा और सूचना प्रौद्योगिकी (IT) का समन्वय
6. डिजिटल युग में भारतीय ज्ञान परंपरा का अनुप्रयोग
7. वेद, उपनिषद और स्मृति ग्रंथों में प्राचीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण
8. योग, आयुर्वेद और जीवन शैली: स्वास्थ्य, विज्ञान और शिक्षा का समन्वय
9. भारतीय दर्शन और तर्कशास्त्र: उच्च शिक्षा में अनुप्रयोग
10. प्राचीन गणित, विज्ञान और तकनीकी ज्ञान का आधुनिक और डिजिटल संदर्भ

पंजीयन हेतु लिंक

पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 11/10/2025

https://forms.gle/oXE1wCmKiCakuLus8

पंजीयन पूर्णतः निःशुल्क है।

Whatsaap ग्रुप हेतु लिंक

https://chat.whatsapp.com/Jv778bJW815BztKZSt03PX?mode=ems_copy_t

शोधपत्र प्रकाशन के लिए दिशानिर्देश

- सभी चयनित गुणवत्तापूर्ण शोधपत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा ISBN सहित पुस्तक के रूप में प्रकाशित किए जाएँगे।
- सारांश की लंबाई 5 कीवर्ड सहित 200 शब्दों में होनी चाहिए और पूरा शोधपत्र अधिकतम लगभग 3000 शब्दों में होना चाहिए।(सारणी, ग्राफ और चार्ट को छोड़कर)।
- लेखकों को सार और पूरा शोधपत्र (अंग्रेजी/हिंदी) टाइम्स न्यू रोमन या एरियल यूनिकोड MS में, फॉन्ट आकार 12 या 14 पॉइंट, सिंगल लाइन स्पेसिंग में A-4 साइज़ में जमा करना होगा। फाइल प्रारूप: MicrosoftWord (.doc या.docx)
- संदर्भ के लिए नवीनतम APA/MLA शैली का पालन किया जाना चाहिए। सारांश (Abstract) और Full Length शोध-पत्र की एक सॉफ्ट कॉपी, शोध-पत्र का शीर्षक, लेखक/लेखकों का नाम और पदनाम, संस्थान का नाम, ईमेल और संपर्क विवरण सहित, ईमेल आईडी: gdctimiqac@gmail-com पर जमा करनी होगी।
- प्रस्तुत शोध-पत्र मौलिक होना चाहिए और इसका कोई भी भाग बिना आवश्यक अनुमति के अन्य सोतों से कॉपी या लिया हुआ नहीं होना चाहिए। शोध-पत्र विशेष रूप से वेबिनार के लिए लिखा जाना चाहिए और प्रकाशन हेतु कहीं और नहीं भेजा जाना चाहिए।
- साहित्यिक चोरी 10% से कम होनी चाहिए। शोध-पत्र में पाई गई साहित्यिक चोरी के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार होंगे एवं स्व सत्यापित प्रमाण पत्र शोध पत्र के साथ आवश्यक रूप से भेजा जायें।
- वेबिनार उपरांत फीडबेक फार्म जमा करने पर ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

वेबिनार गूगल मीट के माध्यम से आयोजित होगा

वेबीनार की लिंक व्हाट्सएप ग्रुप पर प्रेषित कि जायेगी।

नोटः शोध पत्र / सारांश प्रेषित करने की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर 2025